

Signature and Name of Invigilator

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

1. (Signature) _____
(Name) _____

2. (Signature) _____
(Name) _____

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

D-4605

PAPER-III

Time : 2½ hours]

ADULT EDUCATION

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 26

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.
No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. केवल नीले / काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
10. गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

ADULT EDUCATION

प्रौढ शिक्षा

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्न पत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Direction : Read the following passage to answer the questions (1 to 5) that follow :

After independence India was facing a volume of problems. One of them was volume of illiterates including women. Between 1951 and 1981, the percentage of literacy amongst women though improved from 7.93% to 24.82%, yet the absolute number rose alarmingly. Provision of equality of opportunities to all citizens also includes educational opportunities to women. NPE (1986) envisages that education would be used as a strategy for achieving a basic change in the status of women. The National Education System would play a positive role. Empowerment of women would play a constructive role in the society. Women's education should draw the attention of the Government, Non-Government and other agencies to give them their due share if not more. Indian Education Commission (1964-66) opined, "for full development of our human resources, the improvement of homes and for moulding the character of children the education of women is of ever greater importance than that of men She is now adopting a career of her own and sharing equality with men, the responsibility of the development of society in all aspects this equal partnership will home to continue in the fight against hunger, poverty, ignorance and ill-health".

निर्देश : प्रश्न 1 से 5 के उत्तर के लिए निम्नलिखित उद्धरण को पढ़ें।

स्वतंत्रता पश्चात भारत कई समस्याओं से जूझ रहा था। इनमें से एक समस्या अशिक्षितों की थी जिसमें अशिक्षित महिलाओं की समस्याएँ भी थी। सन् 1951 से 1981 के मध्य यद्यपि महिलाओं की शिक्षा आंकड़े 7.93% से बढ़कर 24.82% हुए परन्तु संख्या में बढ़ोत्तरी हुई। सभी नागरिकों के लिए समान अवसरों का अर्थ है महिलाओं को भी शिक्षा के समान अवसर प्रदान करना। नई शिक्षा नीति (1986) में शिक्षा को महिलाओं के सामाजिक स्थान के माध्यम से मूलभूत परिवर्तन की उपलब्धि के लिए साधन माना। राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली इस क्षेत्र में रचनात्मक भूमिका निभा सकती है। महिलाओं के सशक्तिकरण द्वारा इस भूमिका को भलीभाँति निभाया जा सकता है। लड़कियों की शिक्षा में सरकारी, गैर-सरकारी व अन्य एजेन्सी के सहयोग की आवश्यकता है। भारतीय शिक्षा आयोग (1964-66) ने भी लिखा। बच्चों के चरित्र निर्माण व हमारे मानव संसाधन विकास के लिए पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं की शिक्षा की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण है। वे अब अपने व्यवसाय का खुद चयन करती हैं तथा पुरुषों से समान भागीदार हैं। ये भागीदारी सभी क्षेत्रों में होनी चाहिए। भूख, गरीबी, अज्ञान और अस्वास्थ्य आदि से लड़ने में उनकी पुरुषों के साथ बराबर भागीदारी है।

1. Why has the absolute number of illiterate women increased during the said period ?

इस काल में अशिक्षित महिलाओं की कुल संख्या की बढ़ोत्तरी क्यों हुई होगी ?

2. What according to the writer is the importance of women education ?

लेखक के अनुसार महिला शिक्षा की महत्ता क्या है ?

3. What does 'empowerment of women' mean to the paragraph writer ?

उद्धरण लेखक के लिए 'महिला सशक्तिकरण' का अर्थ क्या है?

4. What are the parameters of empowerment of Indian women ?

भारतीय महिला सशक्तिकरण के प्राचल कौन-से हैं?

5. Why are women studies important ?
महिला अध्ययन का क्या महत्व है?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. Define 'Humanism' in relation to 'Adult Education'.

'प्रौढ शिक्षा' के संदर्भ में 'मानवतावादी' को परिभाषित करें।

7. How would 'Basic Education' be helpful in AEP ?

AEP के लिए 'बुनियादी शिक्षा' किस प्रकार सहायक है ?

8. What is 'Dementia' ?

'डिमेन्सिया' से आप क्या समझते हैं ?

9. Why should we use non-traditional method of evaluation in AEP ?

हमें AEP में मूल्यांकन की गैर परम्परागत विधि का प्रयोग क्यों करना चाहिए?

10. Write the uses of local resources for the development of T/L materials for adults.
प्रौढ़ों के शिक्षण-अधिगम सामग्री विकास में स्थानीय साधनों के उपयोगों के बारे में लिखें।

11. What should be role of local festivals in AEP ?
AEP में स्थानीय त्योहारों की क्या भूमिका होनी चाहिए?

12. What should be the checks for allowing NGO to work for AEP in tribal areas ?

NGO को आदिवासी क्षेत्रों में AEP के लिए कार्य करने की स्वीकृति के समय क्या नियंत्रण होना चाहिए?

13. What are Quane’s objectives of teaching-learning materials for adults ?

प्रौढ़ों के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री की क्वेन के उद्देश्यों की व्याख्या करें।

14. Explain 'participatory training module' for AEP worker.

AEP कार्यकर्ताओं के लिए 'सहभागी प्रशिक्षण माडल' की व्याख्या करें।

15. How would a Sarva Shiksha Abhiyan teacher develop a good rapport with the local groups ?

सर्वशिक्षा अभियान का शिक्षक किस प्रकार स्थानीय समूह से अच्छा सम्पर्क प्राप्त करेगा ?

16. What should be the objectives of AEP ?

AEP के उद्देश्य क्या होने चाहिए?

17. What are basic skills that must be emphasized in SSA ?

वे कौन से मूल कौशल हैं जिन पर सर्व शिक्षा अभियान में बल दिया जाना आवश्यक है?

18. What are the current need of research in adult education ?

प्रौढ़ शिक्षा में शोध की वर्तमान आवश्यकता क्या है ?

19. Illustrate basic difference between 'Extension Education' and 'In-service Education'.

'विस्तार शिक्षा' एवं 'सेवा कालीन शिक्षा' में मूल अन्तर की उदाहरण सहित व्याख्या करें।

20. How will you determine the social needs of factory workers to design a 'Continuing Education Programme' for them ?

सतत शिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा के लिए फैक्टरी श्रमिकों की सामाजिक आवश्यकताओं को किस प्रकार निर्धारित करेंगे ?

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

21. 'Value education be best achieved by AEP'. Comment.

"AEP द्वारा मूल्य शिक्षा की उपलब्धि अच्छी तरह की जा सकती है।" अपने विचार लिखें।

22. How will you identify learning needs of tribal adults ? Explain.

आदिवासी प्रौढ़ों की अधिगम आवश्यकताओं को आप कैसे पहचानेंगे ? व्याख्या करें।

23. Discuss specific roles of VECs ?

VECs की विशिष्ट भूमिका की विवेचना करें।

24. Critically examine the research methods applicable in Adult and Continuing Education.
प्रौढ व सतत् शिक्षा में प्रयुक्त अनुसंधान विधियों का आलोचनात्मक विवरण प्रस्तुत करें।
25. Describe the role of 'continuing education' in empowerment of community.
समुदाय के सशक्तिकरण में 'सतत् शिक्षा' की भूमिका का वर्णन करें।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any one of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Briefly discuss the role of the following institutions in the promotion of Adult Education in India.

- (i) Indian Adult Education Association
- (ii) Jamia Millia Islamia
- (iii) Gandhigram Rural Institute
- (iv) Gujrat Vidyapeeth

भारत में प्रौढ़ शिक्षा प्रोत्साहन में निम्नलिखित संस्थाओं की भूमिका की विवेचना संक्षेप में करें :

- (i) भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ
- (ii) जामिया मिलिया इस्लामिया
- (iii) गांधीग्राम ग्रामीण संस्था
- (iv) गुजरात विद्यापीठ

OR / अथवा

How would you develop teaching-learning materials on the significance of girl child in society ?

समाज में बालिकाओं के महत्व के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री का विकास आप कैसे करेंगे ?

OR / अथवा

Discuss the significance and importance of training of Adult Education functionaries with special reference to participatory training strategies.

साझेदारी ट्रेनिंग के विशेष संदर्भ के साथ प्रौढ़ शिक्षा कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण के महत्व व सार्थकता की विवेचना करें।

A page of lined paper with 25 horizontal lines. The lines are evenly spaced and extend across the width of the page, leaving a margin at the top and bottom.

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation) Date